

हैमवती स्त्री. (तत्.) 1. उमा, पार्वती 2. गंगा 3. हरीतकी, हड़ 4. अलसी, तीसी 5. रेणुका नामक गंध द्रव्य।

हैमवरी स्त्री. (तत्.) संगी. कर्नाटकी संगीत की एक पद्धति की रागिनी।

हैमा स्त्री. (तत्.) 1. सोनजुही 2. पीली चमेली।

हैमी स्त्री. (तत्.) 1. केतकी 2. सोनजुही।

हैयंगवनी पुं. (तत्.) एक दिन पहले के दूध से बनाया हुआ घी, ताजे मक्खन का घी।

हैया पुं. (देश.) हौआ, बच्चों को डराने के लिए एक कल्पित प्राणी।

हैरंब वि. (तत्.) 1. गणेश या हैरंब संबंधी 2. गणेश का उपासक या भक्त।

हैरण्य वि. (तत्.) 1. सोने या हिरण्य से संबंधित 2. स्वर्ण निर्मित 3. सोना उत्पन्न करने वाला।

हैरण्यक पुं. (तत्.) सुनार, स्वर्णकार, स्वर्ण आभूषण बनाने वाला।

हैरण्यगर्भ वि. (तत्.) 1. हिरण्य गर्भ संबंधी 2. ब्रह्मा या विष्णु से संबंधित 3. आत्मा से संबंधित।

हैरण्यवत् पुं. (तत्.) जैन आगमों के अनुसार जम्बू द्वीप के छोटे खंड का नाम।

हैरण्यिक पुं. (तत्.) सुनार, स्वर्णकार।

हैरत स्त्री. (अर.) आश्चर्य, अचरज, ताज्जुब संगी. फारसी संगीत में एक राग।

हैरान वि. (अर.) 1. आश्चर्य, चमत्कार, स्तब्ध, चकित 2. व्यग्रता, परेशानी का भाव।

हैरानी स्त्री. (अर.) 1. हैरान, परेशान होने का भाव 2. विस्मय, आश्चर्य का भाव।

हैवर पुं. (तद्.) अच्छा या उत्तम किस्म का घोड़ा।

हैवान पुं. (अर.) 1. पशु, जानवर 2. इंसान का विपर्याय 3. दुष्ट, उजड़ या गंवार व्यक्ति 4. नृशंस, दयारहित।

हैवानियत स्त्री. (अर.) 1. हैवान या दुष्ट होने की अवस्था या भाव, पशुत्व 2. पशुओं का सा विवेकहीन या क्रूर आचरण 3. हैवानी।

हैस-बैस स्त्री. (अर.) 1. लड़ाई-झगड़ा। 2. हो हल्ला 3. व्यर्थ का तर्क-वितर्क या वाद-विवाद।

हैसियत स्त्री. (अर.) 1. शक्ति या सामर्थ्य 2. आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, अधिकारिक आदि दृष्टियों से किसी की प्रतिष्ठा, शक्ति, और योग्यता की सूचक स्थिति 3. धन संपत्ति के विचार से शक्तिशाली होने की स्थिति 4. सामाजिक मान-मर्यादा, इज्जत, प्रतिष्ठा 5. रंगदंग, तौर तरीका।

हैहय पुं. (तत्.) यदु से उत्पन्न एक क्षत्रिय वंश, उन्होंने शकों के साथ-साथ भारत के अनेक प्रदेश जीते थे, प्राचीन काल में इस वंश का सबसे प्रसिद्ध राजा कार्तवीर्य सहस्रार्जुन था जिसे परशुराम ने मारा था।

हैहयराज पुं. (तत्.) हैहयवंशीय कार्तवीर्य सहस्रार्जुन।

है है अव्य. (देश.) 1. दुख या शोक सूचक शब्द, हाय, अफसोस 2. परम आश्चर्य का सूचक शब्द।

हों अव्य. (देश.) (होना.) हिंदी की सत्तार्थक क्रिया 'होना' का संभाव्य काल का सूचक 'हो' का बहुवचन उदा. शायद अब वह कार्यालय से चले गए हों।

होंकरना अव्य. (अनु.) 1. हो-हो शब्द करना 2. जोर से हुंकार कर बोलना 3. हुंकारना।

होंठ पुं. (तद्.) प्राणियों के मुख खुलने के स्थान पर ऊपर-नीचे के मांसल हिस्से जिनसे दाँत ढके रहते हैं, ओष्ठ वि. 'होंठ हिलाना' का अर्थ है धीरे-धीरे कुछ बोलना, 'होंठ चाटना' का अर्थ है कोई स्वादिष्ट वस्तु खाकर अतृप्ति प्रकट करना या और अधिक खाने की इच्छा प्रकट करना, 'होंठ चबाना' का अर्थ है अपना क्रोध प्रकट करना।

होंठल वि. (देश.) बड़े और मोटे होंठों वाला।

होंठी स्त्री. (देश.) 1. ऊँचा उठा हुआ किनारा, अवँड, बादवारी 2. किसी चीज का छोटा टुकड़ा।

हो अव्य. (तत्.) 1. सत्तार्थक क्रिया 'होना' के अन्य पुरुष संभाव्य काल तथा मध्यम बहुवचन के वर्तमान काल का रूप जैसे- शायद वह आ